समय की समीपता प्रमाण स्वयं को हद के बन्धनों से मुक्त कर सम्पन्न और समान बनो

Characteristics of

आज चारों ओर के सम्पूर्ण समान बच्चों को देख रहे हैं। समान बच्चे ही बाप के दिल में समाये हुए हैं। समान बच्चों की विशेषता है - वह (1) सदा निर्विघ्न, (2) निर्विकल्प, (3) निर्मान और (4) निर्मल होंगे। ऐसी आत्मायें (5) सदा स्वतंत्र होती हैं, किसी भी प्रकार के हद के बन्धन में बंधायमान नहीं होती। तो अपने आप से पूछो ऐसी बेहद की स्वतंत्र आत्मा बने हैं! सबसे (1) पहली स्वतंत्रता है देहभान से स्वतंत्र। जब चाहे तब देह का आधार ले, जब चाहे देह से न्यारे हो जाए। देह की आकर्षण में नहीं आये। (2) दूसरी बात - स्वतंत्र आत्मा कोई भी पुराने स्वभाव और संस्कार के बन्धन में नहीं होगी। पुराने स्वभाव और संस्कार से मुक्त होगी। साथ-साथ किसी भी देहधारी आत्मा के सम्बन्ध-सम्पर्क में आकर्षित नहीं होगी। सम्बन्ध-सम्पर्क में आते न्यारे और प्यारे होंगे। तो अपने को चेक करो - कोई भी छोटी सी कर्मेन्द्रिय बन्धन में तो नहीं बांधती? अपना स्वमान याद करो - मास्टर सर्वशक्तिवान, त्रिकालदर्शी, त्रिनेत्री, स्वदर्शन

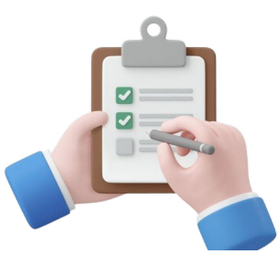

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

चक्रधारी, उसी स्वमान के आधार पर क्या सर्वशक्तिवान के बच्चे को कोई कर्मेन्द्रिय आकर्षित कर सकती है? क्योंकि समय की समीपता को देखते अपने को देखो - सेकण्ड में सर्व बन्धनों से मुक्त हो सकते हो? कोई भी ऐसा बन्धन रहा हुआ तो नहीं है? क्योंकि लास्ट पेपर में नम्बरवन होने का प्रत्यक्ष प्रमाण है, सेकण्ड में जहाँ, जैसे मन-बुद्धि को लगाने चाहो वहाँ सेकण्ड में लग जाये। हलचल में नहीं आये। जैसे स्थूल शरीर द्वारा जहाँ जाने चाहते हो, जा सकते हो ना! ऐसे बुद्धि द्वारा जिस स्थिति में स्थित होने चाहो उसमें स्थित हो सकते हो?

जैसे साइंस ने लाइट हाउस, माइट हाउस बनाया है, तो सेकण्ड में स्विच आन करने से लाइट हाउस चारों ओर लाइट देने लगता है, माइट देने लगता है।

ऐसे आप स्मृति के संकल्प का स्विच आन करने से लाइट हाउस, माइट हाउस होके आत्माओं को लाइट, माइट दे सकते हो? एक सेकण्ड का आर्डर हो अशरीरी बन जाओ, बन जायेंगे ना! कि युद्ध करनी पड़ेगी? यह अभ्यास बहुतकाल का ही अन्त में सहयोगी बनेगा। अगर बहुतकाल का अभ्यास नहीं होगा तो उस समय अशरीरी बनना, मेहनत करनी पड़ेगी इसलिए बापदादा यही इशारा देते हैं

कि सारे दिन में कर्म करते हुए भी बार-बार यह अभ्यास करते रहो। इसके लिए मन के कन्ट्रोलिंग पावर की आवश्यकता है। अगर मन कन्ट्रोल में आ गया तो कोई भी कर्मेन्द्रिय वशीभूत नहीं कर सकती।

Call of Time/ समय की पुकार

अभी सर्व आत्माओं को आपके द्वारा शक्ति का वरदान चाहिए। आत्माओं की आप मास्टर सर्वशक्तिवान आत्माओं के प्रति यही शुभ इच्छा है कि बिना मेहनत के वरदान द्वारा, दृष्टि द्वारा, वायब्रेशन द्वारा हमें मुक्त करो। अभी मेहनत करके सब थक गये हैं। आप सब तो मेहनत से मुक्त हो गये हो ना! कि अभी भी मेहनत करनी पड़ती है? सुनाया था, मेहनत से मुक्त होने का सहज साधन है - दिल से बाप के अति स्नेही बन जाना। आप ब्राह्मण आत्माओं का जन्म का वायदा है, याद है वायदा? जब बाप ने अपना बनाया, ब्राह्मण जीवन दी तो ब्राह्मण जीवन का आप सबका वायदा क्या है? एक बाप दूसरा न कोई। याद है वायदा? याद है तो कांध हिलाओ। अच्छा हाथ हिला रहे हैं। याद है पक्का या कभी-कभी भूल जाता है? देखो 63 जन्म तो भूलने वाले बने, अब यह एक जन्म स्मृति

To submerge in the love of Supreme, song given at last pages...

स्वरूप बने हो। तो बाप बच्चों से पूछ रहे हैं बचपन का वायदा याद है? कितना सहज करके दिया है - एक बाप में संसार है। एक बाप से सर्व सम्बन्ध हैं। एक बाप से सर्व प्राप्तियां हैं। एक ही पढ़ाने वाला भी है और पालना करने वाला भी है। सबमें एक है। चाहे परिवार भी है, ईश्वरीय परिवार लेकिन परिवार भी एक बाप का है। अलग-अलग बाप का परिवार नहीं है। एक ही परिवार है। परिवार में भी एक दो में आत्मिक स्नेह है, स्नेह नहीं आत्मिक स्नेह। बापदादा जन्म के वायदे याद दिला रहे हैं, और क्या वायदा किया? सभी ने बड़े उमंग-उत्साह से बाप के आगे दिल से कहा - सब कुछ आपका है। तन-मन-धन सब आपका है। तो दी हुई चीज़ बाप की अमानत के रूप में बाप ने कार्य में लगाने के लिए दिया है, आपने बाप को दे दी, दे दी है ना? या वापस थोड़ा-थोड़ा ले लेते हो? वापस लेते हो तो अमानत में ख्यानत हो जाती है। कोई-कोई बच्चे कहते हैं, रूहरिहान करते हैं ना तो कहते हैं मेरा मन परेशान रहता है, मेरा मन आया कहाँ से? जब मेरा तेरे को अर्पण किया, तो मेरा मन आया कहाँ से? आप सभी तो बिन कौड़ी बादशाह हो गये, अभी आपका कुछ नहीं रहा, बिन कौड़ी हो गये लेकिन

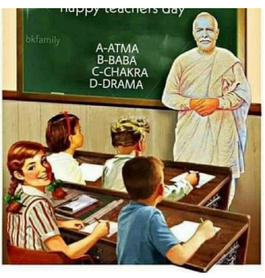

Mind it...

पूछो अपने आप से...

दिल से
ये पकका समझ लो

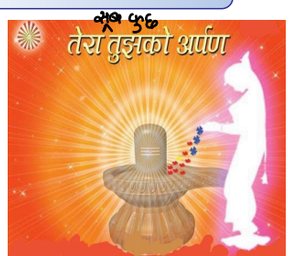

बादशाह हो गये। क्यों? बाप का खजाना वह आपका खजाना हो गया, तो बादशाह हो गये ना! परमात्म खजाना वह बच्चों का खजाना। तो बापदादा वायदे याद दिला रहे हैं। तेरे में मेरा नहीं करो। बाप कहते हैं - जब बाप ने आप सबको परमात्म खजानों से माला-माल कर दिया, जिम्मेवारी बाप ने ले ली, किन शब्दों में? आप मुझे याद करो तो सर्व प्राप्ति के अधिकारी हो ही। सिर्फ याद करो। और आपने कहा हम आपके, आप हमारे। यह वायदा है ना! तो बाप कहते हैं खजानों को सदा स्व प्रति और सर्व आत्माओं के प्रति कार्य में लगाओ। जितना कार्य में लगायेंगे उतना ही खजाना बढ़ता जायेगा। सर्वशक्तियों का खजाना, सर्व शक्तियां कार्य में लगाओ। सिर्फ बुद्धि में नॉलेज नहीं रखो मैं सर्वशक्तिवान हूँ, लेकिन सर्व शक्तियों को समय प्रमाण कार्य में लगाओ और सेवा में लगाओ।

Mind Very Well...

बापदादा ने मैजॉरिटी बच्चों के पोतामेल में देखा है दो शक्तियां अगर सदा याद रहें और कार्य में समय पर लगाओ तो सदा ही निर्विघ्न रहो। विघ्न की ताकत नहीं है आपके आगे आने की, यह बाप की

जरा सोचो तो सही, कौन कह रहा है तुमसे...!

गैरन्टी है। वैसे तो सर्व शक्तियां चाहिए लेकिन मैजारिटी देखा गया कि (1) सहनशक्ति और (2) रियलाइजेशन की शक्ति, रियलाइज करते भी हो लेकिन उसको प्रैक्टिकल में स्वरूप में लाने में अटेन्शन कम है इसलिए जिस समय रियलाइज करते हो उस समय चलन और चेहरा बदल जाता है। बहुत अच्छे उमंग-उत्साह में आते हो, हाँ रियलाइज किया लेकिन फिर क्या हो जाता है? अनुभवी तो सभी हैं ना! फिर क्या हो जाता है? उसको हर समय स्वरूप में लाना, उसकी कमी हो जाती है क्योंकि यहाँ स्वरूप बनना है। सिर्फ बुद्धि से जानना अलग चीज़ है, लेकिन उसको स्वरूप में लाना, इसकी आवश्यकता है। कभी-कभी बापदादा को कोई-कोई बच्चों पर रहम भी आता है, बाप समझते हैं बच्चे से मेहनत नहीं होती है तो बच्चे के बजाए बाप ही कर ले। लेकिन ड्रामा का राज़ है "जो करेगा वह पायेगा" इसलिए बापदादा सहयोग जरूर देता है लेकिन करना फिर भी बच्चे को ही पड़ता है।

Result

मेरे रहमदिल बाबा...

Baba says : I can show you the door, you are the one that has to walk through it... Click

बापदादा ने देखा है बच्चे संकल्प बहुत अच्छे-अच्छे करते हैं। अमृतवेले बापदादा के पास अच्छे-अच्छे

संकल्पों की बहुत-बहुत मालायें आती हैं। यह करेंगे, यह करेंगे, यह करेंगे..., बापदादा भी खुश हो जाते हैं, वाह! बच्चे वाह! फिर करने में कमजोर क्यों बन जाते हैं? इसका कारण देखा गया - ब्राह्मण परिवार में संगठन का वायुमण्डल। कहाँ-कहाँ वायुमण्डल कमजोर भी होता है, उसका असर जल्दी पड़ जाता है। फिर उन्हों की भाषा बतायें क्या होती है? भाषा बड़ी मीठी होती है, भाषा होती है यह तो चलता है, यह तो होता है... ऐसे समय पर क्या संकल्प करो! यह होता है, यह चलता है... यह अलबेलापन लाता है लेकिन उस समय इस भाषा को परिवर्तन करो, सोचो कि बाप का फरमान क्या है? बाप की पसन्दी क्या है? बाप किस बात को पसन्द करता है? बाप ने यह कहा है? किया है? अगर बाप याद आ गया तो अलबेलापन समाप्त हो, उमंग-उत्साह आ जायेगा। अलबेलापन भी कई प्रकार का आता है।

Check to CHANGE

Homework

आप लोग आपस में क्लास करना, लिस्ट निकालना, एक है साधारण अलबेलापन, एक है रॉयल अलबेलापन। तो अलबेलापन संकल्प में दृढ़ता लाने नहीं देता और दृढ़ता सफलता का साधन है इसलिए संकल्प तक रह जाता है लेकिन स्वरूप में नहीं आता।

समजा?

तो आज क्या सुना? वायदे याद कराये हैं ना! वायदे इतने अच्छे अच्छे करते, बापदादा वायदे सुनकर खुश हो जाते। लेकिन जितने वायदे करते हो ना उतना फायदा नहीं उठाते। तो बापदादा यही चाहते हैं, पूछते हैं ना बाप हमसे क्या चाहते हैं? तो बापदादा यही चाहते हैं कि समय से पहले सब एवररेडी बन जाओ। समय आपका मास्टर नहीं बने। समय के मास्टर आप हो, इसलिए यही बापदादा चाहता है कि समय के पहले सम्पन्न बन विश्व की स्टेज पर बाप के साथ-साथ आप बच्चे भी प्रत्यक्ष हो। अच्छा।

बापदादा हमसे क्या चाहते है...?

For Newcommers

जो नये नये बच्चे आये हैं मिलने के लिए, वह हाथ उठाओ। बड़ा हाथ उठाओ, लम्बा। अच्छा - बापदादा नये-नये बच्चों को देख खुश होते हैं कि भाग्यवान बच्चे अपना भाग्य लेने के लिए पहुंच गये हैं इसलिए मुबारक हो, मुबारक हो। अभी जो भी नये बच्चे आये हैं उनमें से देखेंगे कमाल कौन करके दिखाता है? भले आये पीछे हैं लेकिन आगे जाके दिखाओ। बापदादा के पास तो सब रिजल्ट पहुंचती है। अच्छा।

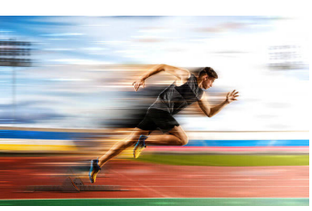

डबल विदेशी:- अच्छा है, डबल विदेशी स्व पर और सेवा पर अटेन्शन अच्छा दे रहे हैं। लेकिन सिर्फ इसमें एक मात्रा लगानी है। अण्डरलाइन करनी है, जो परिवर्तन का संकल्प लेते हो और अच्छा उमंग-उत्साह, हिम्मत से लेते हो, सिर्फ इसको अण्डरलाइन करते जाओ, करना ही है। बदलना ही है। बदलकर विश्व को बदलना है। यह दृढ़ता की अण्डरलाइन बार-बार करते जाओ। बाकी बापदादा खुश है, वृद्धि भी कर रहे हैं और सेवा और स्व के ऊपर अटेन्शन भी है। लेकिन पूरा टेन्शन नहीं गया है, अटेन्शन है थोड़ा बीच-बीच में टेन्शन भी है, वह समाप्त करना ही है। बाकी हिम्मत अच्छी है। हिम्मत की मुबारक है, सभी जो भी बैठे हैं बाप सहित आपको हिम्मत की मुबारक दे रहे हैं। ताली बजाओ। अच्छा।

आप तो यहाँ बैठे हो लेकिन बापदादा को दूर बैठे बहुत बच्चों का यादप्यार मिला है और बापदादा एक-एक बच्चे को नयनों में समाते हुए बहुत-बहुत दिल की दुआयें दे रहे हैं। चाहे भारत से, चाहे विदेश से, बहुत बच्चों की याद आ रही है, पत्र आते हैं,

ईमेल आते हैं, सब बाबा के पास पहुंच गये हैं। अच्छा।

बापदादा हमसे क्या चाहते है...?

बापदादा एक सेकण्ड में अशरीरी भव की ड्रिल देखने चाहते हैं, अगर अन्त में पास होना है तो यह ड्रिल बहुत आवश्यक है इसलिए अभी इतने बड़े संगठन में बैठे एक सेकण्ड में देहभान से परे स्थिति में स्थित हो जाओ। कोई आकर्षण आकर्षित नहीं करे। (ड्रिल) अच्छा।

समजा?

चारों ओर के तीव्र पुरुषार्थी बच्चों को, सदा स्व-परिवर्तन और विश्व परिवर्तन की सेवा में तत्पर रहने वाले विशेष आत्माओं को, सदा ब्रह्मा बाप समान कर्मयोगी, कर्म की, कर्मेन्द्रियों की आकर्षण से मुक्त आत्माओं को, सदा दृढ़ता को हर संकल्प, हर बोल, हर कर्म में स्वरूप में लाने वाले बाप के समीप और समान बच्चों को बापदादा का दिल की दुआयें और दिल का यादप्यार स्वीकार हो और नमस्ते।

दादी जी से:- तन्दरूस्त हो गई। अभी बीमारी गई। बीमारियां महारथियों से विदाई लेने के लिए आती हैं। अन्दर ही अन्दर कर्मातीत बनने की रिहर्सल कर रही है। (दादी जानकी कह रही हैं दादी बेफिकर बादशाह है)

आप फिकर वाली हैं क्या? आप भी बेफिकर। दोनों ही पार्ट अच्छा बजा रही हैं। देखो, सबसे बड़े ते बड़ा जिम्मेवारी का ताज पहनने वाली निमित्त तो बनी ना। यह सब साथी हैं। आप लोगों को देखके उमंग-उत्साह आता है ना। (अभी क्या नया करना है? बाबा ही कुछ प्रेरणा दे) बापदादा ने सुनाया कि हर वर्ग का गुलदस्ता जो माइक भी हो और माइट भी हो। सिर्फ माइक और सम्पर्क वाला नहीं, सम्बन्ध में भी नजदीक हो, ऐसा गुलदस्ता निकालो। फिर वह ग्रुप निमित्त बनेगा सेवा करने के। वह माइक बनेगा और आप माइट बनेंगी। उनके जिगर से निकले बाबा, तभी प्रभाव पड़ेगा। उन्हों को सम्बन्ध में नजदीक लाओ। कभी-कभी होता है ना, तो नशा थोड़ा कम हो जाता है। सम्बन्ध -सम्पर्क में जहाँ भी आवें वहाँ सम्बन्ध और सम्पर्क रहे तो ठीक हो जायेंगे। अच्छा।

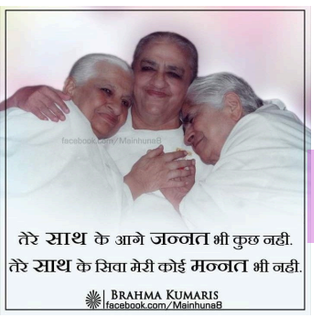

Point to be Noted

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

वरदान:- सदा श्रेष्ठ और नये प्रकार की सेवा द्वारा वृद्धि करने वाले सहज सेवाधारी भव

संकल्पों द्वारा ईश्वरीय सेवा करना यह भी सेवा का श्रेष्ठ और नया तरीका है,

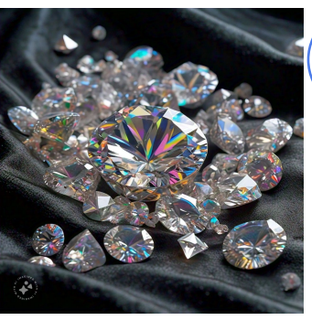

जैसे जवाहरी रोज सुबह अपने हर रतन को चेक करता है कि साफ हैं, चमक ठीक है, ठीक जगह पर रखें हैं..

ऐसे रोज़ अमृतवेले अपने सम्पर्क में आने वाली आत्माओं पर संकल्प द्वारा नज़र दौड़ाओ, जितना आप उन्हों को संकल्प से याद करेंगे उतना वह संकल्प उन्हों के पास पहुंचेंगा..इस प्रकार सेवा का नया तरीका अपनाते वृद्धि करते चलो।

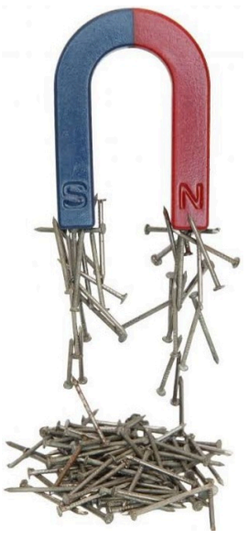

आपके सहजयोग की सूक्ष्म शक्ति आत्माओं को आपके तरफ स्वत:आकर्षित करेगी।

स्लोगन:- बहानेबाजी को मर्ज करो और बेहद की वैराग्यवृत्ति को इमर्ज करो।

अव्यक्त इशारे- आत्मिक स्थिति में रहने का अभ्यास करो, अन्तर्मुखी बनो

ज्ञान के मनन के साथ शुभ भावना, शुभ कामना के संकल्प, सकाश देने का अभ्यास, यह मन के मौन का या ट्रैफिक कन्ट्रोल का बीच-बीच में दिन मुकरर करो।

जितना अन्तर्मुखता के कमरे में बैठ रिसर्च करेंगे उतना अच्छे से अच्छी टचिंग होंगी और उसी टचिंग से अनेक आत्माओं को लाभ मिलेगा।

सूचनाः- आज अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस तीसरा रविवार है, सायं 6.30 से 7.30 बजे तक सभी भाई बहिनें संगठित रूप में एकत्रित हो योग अभ्यास में अनुभव करें कि मैं भ्रकुटी आसन पर विराजमान परमात्म शक्तियों से सम्पन्न सर्वश्रेष्ठ राजयोगी आत्मा कर्मेन्द्रिय जीत, विकर्माजीत हूँ। सारा दिन इसी स्वमान में रहें कि सारे कल्प में हीरो पार्ट बजाने वाली मैं सर्वश्रेष्ठ महान आत्मा हूँ।

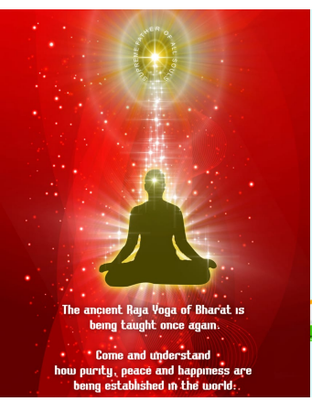

14/06/2025 की मुरली के अंत मे "final Paper" बुक से जो अव्यक्त बापदादा के महावाक्य रखे थे उनको revise करने के लिए आप इस video को देख व सुन सकते है। इसको चलते-फिरते भी सुन सकते है।
Remember/ याद रहे...
Revision is the key to inculcation/Reinforce in the mind... Click

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

सर्वशक्तिमान ईश्वर को सिर्फ और सिर्फ प्रेम से ही हम अपना बना सकते हैं।

वरदान:- स्नेह की शक्ति से माया की शक्ति को समाप्त करने वाले सम्पूर्ण ज्ञानी भव

स्नेह में समाना ही सम्पूर्ण ज्ञान है। स्नेह ब्राह्मण जन्म का वरदान है।

Points: Golden = ज्ञान, Red = योग, Sky Blue= धारणा, Green = सेवा

12

11-12-2024 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

संगमयुग पर स्नेह का सागर स्नेह के हीरे मोतियों की थालियां भरकर दे रहे हैं, तो स्नेह में सम्पन्न बनो।

स्नेह की शक्ति से परिस्थिति रूपी पहाड़ परिवर्तन हो पानी समान हल्का बन जायेगा। माया का कैसा भी विकराल रूप वा रॉयल रूप सामना करे तो सेकण्ड में स्नेह के सागर में समा जाओ। तो स्नेह की शक्ति से माया की शक्ति समाप्त हो जायेगी।

30/11/05

सुनाया था, मेहनत से मुक्त होने का सहज साधन है - दिल से बाप के अति स्नेही बन जाना। आप

Point to be Noted

या किनारा कर लेते हैं? क्योंकि बापदादा ने देखा कि जो दिल के स्नेही हैं, बाप के दिल के स्नेही, सर्व के स्नेही अवश्य होंगे। दिल का स्नेह बहुत सहज विधि है सम्पन्न और सम्पूर्ण बनने की। चाहे कोई कितना भी ज्ञानी हो, लेकिन अगर दिल का स्नेह नहीं है तो ब्राह्मण जीवन में रमणीक जीवन नहीं होगी। रूखी जीवन होगी क्योंकि ज्ञान में, स्नेह बिना अगर ज्ञान है तो ज्ञान में प्रश्न उठते हैं क्यों, क्या! लेकिन स्नेह ज्ञान सहित है तो स्नेही सदा स्नेह में लवलीन रहते हैं। स्नेही को याद करने की मेहनत करनी नहीं पड़ती। सिर्फ ज्ञानी है, स्नेह नहीं है तो मेहनत करनी पड़ती है। वह मेहनत का फल खाता, वह मुहब्बत का फल खाता। ज्ञान है बीज लेकिन पानी है स्नेह। अगर बीज को स्नेह का पानी नहीं मिलता तो फल नहीं निकलता है। ये पकका समझ लो

ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp. 4

08-06-25 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "अव्यक्त-बापदादा" रिवाइज: 15-11-05 मधुबन

तो आज बापदादा सर्व बच्चों के दिल का स्नेह चेक कर रहे थे। चाहे बाप से, चाहे सर्व से। तो आप

उस सर्वशक्तिमान को हम अपने सच्चे प्रेम से ही प्राप्त कर सकते हैं नहीं तो चाहे कितना ही ज्ञान पढ़ ले लेकिन हम उस सर्वशक्तिमान को नहीं पा सकते। प्रभु की प्राप्ति का मूल मंत्र है उस सच्चे माशूक के प्रेम में डूब जाना।

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय॥

अर्थात्:-

बड़ी बड़ी किताबे पढ़कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुंच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। कबीर मानते हैं कि यदि कोई प्रेम या प्यार के केवल ढाई अक्षर ही अच्छी तरह पढ़ ले। अर्थात प्यार का वास्तविक रूप पहचान ले तो वही सच्चा ज्ञानी होगा।

- कबीर

Example

कार्तिकेय और गणेश दोनों ही शिव और पार्वती/ब्रह्मा माँ के बच्चे हैं लेकिन कार्तिकेय ज्ञान के आधार पर चलता है और गणेश ज्ञान और प्रेम के आधार पर चलता है

इसलिए शास्त्रों में बताया है कि जब सारी सृष्टि का सात बार चक्कर लगाने की बात आई तो कार्तिकेय चक्कर ही लगाता रहा और गणेश ने अपने माता-पिता अर्थात शिव बाबा और ब्रह्मा बाबा को ही अपनी सृष्टि मानकर उनके सात फेरे लगा लिए और कुछ ही पल में वह विजय हो गया।

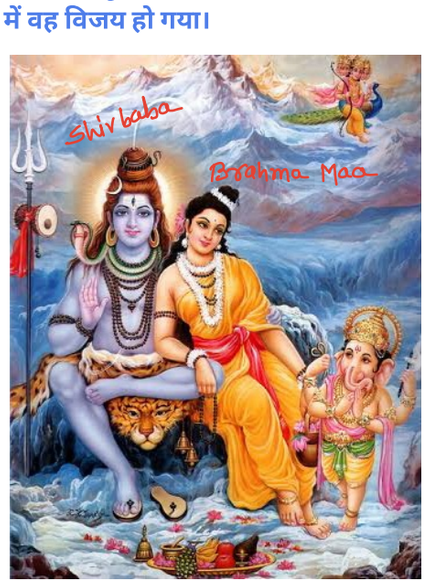

Example

जब यशोदा जी ने श्री कृष्ण को अपने अहंकार से बांधना चाहा तो सभी रस्सियाँ छोटी पड़ गई किंतु जब उन्होंने समर्पण भाव से प्यार की रस्सी में उनको बांधना चाहा तो श्री कृष्णा अपने आप ही बंध गए।

To listen This song → Click

आज आत्मा आशिक़ की परमात्मा माशूक़ से सच्चे दिल की रूह रिहान...

Movie: Tezz (2012)

Main hoon shab, tu hai subah
(जैसे रात, दिन से और दिन फिर रात से सदैव जुड़ा रहता हैं
उस ही प्रकार, मैं हूँ रात और तुम हो सुबह/दिन।)

Ishq mein, tu hai jahaan
(जैसे इश्क़ के बिना इस जहान/दुनिया का कोई महत्व नहीं हैं अर्थात वो वीरान या दोज़ख बन जाता हैं।
तो मैं हूँ इश्क़ और तुम हो वो जहान।)

Main hoon lab, tu hai duaa
(जैसे लबों से निकली दुआ, किसी का भी कल्याण कर देती हैं।
तो मैं हूँ लब और तुम हो दुआ - और हमारे मिलन से सारा का सारा विश्व दोजख से परिवर्तित हो कर स्वर्ग अब बना की बना।)

Main zameen, tu aasmaan
(जैसे ज़मीन आसमान के बिना अधूरी हैं।
वैसे ही मैं जमीन तुज आसमान के बिना अधूरा हूँ।)

Tum mile, mill gaye do jahaan
Darmiyaan faasla na raha
(और अब आख़िरकार जब की तुम मुझे मिल ही गए हो तो मुझे दो जहान अर्थात ये स्थूल विश्व एवं ब्रह्माण्ड/परमधाम मिल गए हैं।

In short, "मुजे जो पाना था सो पा लिया।"

अब हमारे बिच कोई भी फासला नहीं रहा हैं अर्थात दोनों combined हैं, ठीक उस शंकर और पार्वती के combined चित्र के समान जिसे सारा ही विश्व 【आत्मा, प्रकृति और माया】 एक जुट हो कर भी जुदा करना चाहे तो भी रिंचक मात्र जुदा नहीं कर सकते।)

Tere saaye mein, tere saaye mein
Meri umr kat jaye sanam X2
(तो बस अब मेरी सिर्फ और सिर्फ एक ही ख्वाहिश हैं की तुम्हारे ही सायें अर्थात तुम्हारे साथ ही मेरी सारी उम्र कट जाएँ।
स्वर्ग भी नहीं चाहिए हमें।)

Teri baahon mein, teri raahon mein X2
Meri umr kat jaye sanam
(और तुम्हारी सच्चे प्यार भरी बाहों में 【याद】 और तुम्हारी आशाओं को पूर्ण करने की राहों में 【सेवा】 मेरी सारी की सारी उम्र कट जाएँ।
बस... और कुछ संकल्प में भी नहीं चाहियें मुझे।)

Tere saaye mein, tere saaye mein
Meri umr kat jaye sanam

@@@@####$$$$$
Kyun aaj bheegi bheegi chaandni hai
Chehre pe chand jaisi roshni hai X 2
(क्योंकि हम दोनों यहाँ सूक्ष्म वतन में मिल रहे हैं तो चारों तरफ एक भीगी-भीगी सी सफेद चांदनी बिखरी हैं।

तुम तो खैर हो ही ज्ञान सूर्य, किन्तु तुम से मिलने और तुझमे समाने की ख़ुशी के कारन मेरे चेहरे पर भी एक सम्पूर्ण चाँद जैसी रोशनी बिखरी हुई हैं।)

Kadmon mein bichh gaya hai aasmaan bhi
Tu rubaru hai kuch bhi na kami hai
(तो यहाँ【सूक्ष्म वतन में】 हमारे कदमो के निचे सारा आसमान/सारी सृष्टि बिछ गई हैं।

और अब जब की तुम मेरे रूबरू हो, तो मुझे कोई भी कमी नहीं हैं।

तुम मिले सारा संसार मिला, संकल्प मात्र भी कुछ नहीं चाहिए मुझे मेरे बाबा।
मुजे जो पाना था सो पा लिया)

Tum mile mill gaye
Tum mile, mill gaye do jahaan
Darmiyaan faasla naa raha

Tere saaye mein, tere saaye mein
Meri umr kat jaye sanam X2

@@@@@@####$$$$%%%
Khwaabon mein dono doobe sahilon ke
Raste nazar toh aaye manzilon ke

Ho.. khwaabon mein dono doobe sahilon ke

(इस अनंत विषय सागर में जो मैं फंसा हुआ था, और अब जब की तुम मेरे लिए आ ही गए हो, तो हम दोनों ही मेरे सम्पूर्णता के साहिल/किनारे के ख्वाबों में डूबे हुए हैं।

जिस ख्वाब में,
तुम मुझे इस विषय सागर से निकालकर सम्पन्न और सम्पूर्ण बनाने चाहते हो और
मैं भी जल्द से जल्द आप जैसे चाहते हो ऐसे ही सम्पन्न और सम्पूर्ण बनना चाहता हूँ।)

Raste nazar toh aaye manzilon ke
(और अब तो चूँ की तुम सदा मेरे साथ हो तो मुझे मेरी संपूर्णता की मंजिल तक पहुँचने के सारे रास्ते एकदम स्पस्ट नज़र आ रहे हैं।
और, अब तो तुम्हारे समान सम्पन्न और सम्पूर्ण बना की बना।)

Hasrat rahi naa abb toh koi baaqi

(तो अब, तुम्हे पा कर रिंचक मात्र भी कोई हसरत/ख्वाहिश बाकी नहीं रही हैं।
क्योंकि हमारी आपसे जुदा होने से लेकर के अब तक बस एक ही ख्वाहिश थी की तुम्हे हर हाल में पाना हैं।
चाहे कितनी भी विकराल परिस्थितियों का सामना ही क्यों न करना पड़े।)

Poore huey hain armaan do dilon ke

(और अब तो हम दोनों के दिलो के अरमान पुरे हुए हैं।

मेरे तो अरमान पुरे हुए ही हैं क्योंकि भक्ति में सच्चे दिल से तुम्हे पुकारा था..

किन्तु तुम भी मेरे बिना रह नहीं सकते, इस ही लिए तो तुम अपना परमधाम छोड़कर मेरे लिए,मेरे पास, मुझको लेने लिए चले आए हो।

तो अब जब की तुम मेरे साथ हो तो मेरे साथ साथ तुम्हारे भी तो अरमान पुरे हुए कहेंगे ना।)

Tum mile, mill gaye
Tum mile, mill gaye do jahaan
Darmiyaan faasla naa raha

Tere saaye mein, tere saaye mein
Meri umr kat jaye sanam X2
Teri baahon mein, teri raahon meinX2
Meri umr kat jaye sanam
Tere saaye mein, tere saaye mein
Meri umr kat jaye sanam

Other songs like the above to submerge in the love of Supreme

Click

हमे ये feedback मिला था...

Easy to understand with images. Colourful highted lighted points very helpful on all subjects. Ruh Rihan meaningful song should be atleast once a week for making practice to connect with the God.

Name:- Bk Anil kumar ज्ञान में:- 44 years From: - Bareilly, uttar pradesh, feedback received on:-24/3/2025

Response to the feedback

हम आपका बाबा के प्रति जो प्यार है उनका सम्मान करते हैं लेकिन हर एक वीक में गीत को रखना - यह समय की unavailability कारण संभव नहीं होगा। क्योंकि गीत को अर्थ सहित करने में बहुत समय देना पड़ता है।
किन्तु हम प्रयास करेंगे की हर एक महीने में at least एक गीत रखेंगे अव्यक्त वाणी के दिन पर।

शुक्रिया बाबा शुक्रिया

form :- Team Highlighted murli

14-02-2025 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

सतयुग नवयुग है, यह तो बड़ा क्लीयर है। तो बाबा राय देते हैं ऐसे-ऐसे अच्छे गीत भी सुनकर रिफ्रेश होंगे और किसको समझायेंगे भी। यह सब युक्तियां हैं। इनका अर्थ भी सिर्फ तुम ही समझ सकते हो। बहुत अच्छे-अच्छे गीत हैं अपने को रिफ्रेश करने के लिए। यह गीत बहुत मदद करते हैं। अर्थ करना चाहिए तो मुख भी खुल जायेगा, खुशी भी होगी।

Double Benefit

22/05/2025

ओम् शान्ति। बच्चों को सिखलाने के लिए कई गीत बड़े अच्छे हैं। गीत का अर्थ करने से वाणी खुल जायेगी। बच्चों की बुद्धि में तो है कि हम

You can Follow Highlighted Murli on...

YouTube facebook TELEGRAM WhatsApp